Class II (English)

Suggested Pedagogical Processes	Learning Outcomes
The learner may be provided opportunities in pairs/groups/ individually and encouraged to— • sing or recite collectively songs or poems or rhymes with action • listen to stories, and humorous incidents and interact in English or home language • ask simple questions, for example, on characters, places, the sequence of events in the story, etc. (Ensure clear lip movement for children with hearing impairment to lip read.) • respond orally in home language or English or sign language or non-verbal expressions • write 2-3 simple sentences about stories or poems • look at scripts in a print rich environment like newspapers, tickets, posters etc. • develop phonemic awareness through activities focusing on different sounds, emerging from the words in stories and texts • listen to short texts from children's section of newspapers, read out by the teacher • listen to instructions and draw a picture • speak and write English, talk to their peers in English, relating to festivals and events at homes and schools • enrich vocabulary in English mainly through telling and re-telling stories/folk tales • use appropriately pronouns related to gender such as 'he', 'she', 'his', 'her', and demonstrative pronouns such as 'this', 'that', 'these', 'those'; and prepositions such as 'before', 'between' etc. • read cartoons/ pictures/comic strips with or without words independently • write 2-3 sentences describing common events using adjectives, prepositions and sight words like "This is my dog. It is a big dog. It runs behind me."	**The learner—** • sings songs or rhymes with action • responds to comprehension questions related to stories and poems, in home language or English or sign language, orally and in writing (phrases/ short sentences) • identifies characters, and sequence of events in a story. • expresses verbally her or his opinion and asks questions about the characters, storyline, etc., in English or home language. • draws or writes a few words or short sentence in response to poems and stories. • listens to English words, greetings, polite forms of expression, and responds in English/home language like 'How are you?', 'I'm fine, thank you.'etc. • uses simple adjectives related to size, shape,colour, weight, texture such as 'big', 'small', 'round', 'pink' 'red' 'heavy' 'light' 'soft' etc. • listens to short texts from children's section of newspapers, read out by the teacher • listens to instructions and draws a picture • uses pronouns related to gender like 'his/ her/, 'he/she', 'it' and other pronouns like 'this/that', 'here/there' 'these/those' etc. • uses prepositions like 'before', 'between" etc. • composes and writes simple, short sentences with space between words.

- संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।

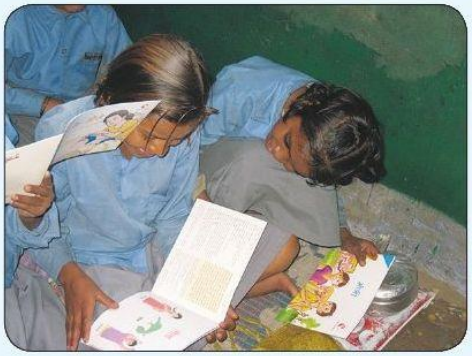

- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काँटे), अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।
- सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।
- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

कक्षा दो (हिंदी)

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया	सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)
सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें– • अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों। • हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों। • बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। • 'पढ़ने का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री, जैसे– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो। • चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर तरह-तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों। • विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि। • कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों। • सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी। • बच्चे अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं। इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए। • बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।	बच्चे - • विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि। • कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं। • देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। • अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री, जैसे– कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं। • भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे–एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने ....। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/ सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं। • अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र, पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। • चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं। • चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं। • परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे– चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/ 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?

Class II (Mathematics)

Suggested Pedagogical Processes	Learning Outcomes
The learner may be provided opportunities in pairs/groups/ individually and encouraged to — • identify number naming and number writing patterns, read and write numbers up to 99 • apply the understanding of place value of numbers while grouping & recognising them • add 2 digit numbers up to 99 by using addition facts up to 9 • develop and use alternate strategies for addition and subtraction of numbers • explore situations in which addition and subtraction of numbers is required. For example combining two groups, enlarging a group by adding more objects • develop their own contextual situations/ questions based on subtraction and addition • create situation/ context in which a number has to be repeatedly added • trace different faces of 3D objects on paper and name their corresponding 2D Shapes • classify shapes based on their physical attributes through cut out/ paper folds of different shapes • use observations/ sense of touch to describe the shapes and their physical attributes • add up to numerical value of Rs. 100, by using concrete play money of different denominations • measure different lengths/ distances by using uniform but non-standard unit • discuss and share the experiences of children while they observe different balances for weighing objects • construct their own balance (simple) and weigh and compare the weights of different things around them • compare the capacity of two or more containers • discuss about the special day/ particular day of a week when children share time and house related work with their family members	**The learner —** • works with two digit numbers – reads and writes numerals for numbers up to 99 – uses place value in writing and comparing two digit numbers. – forms the greatest and smallest two digit numbers (with and without repetition of given digits) – solves simple daily life problems/ situations based on addition of two digit numbers – solves daily life situations based on subtraction of two digit numbers – represents an amount up to Rs. 100 using 3-4 notes and coins (of same/ different denominations of play money • describes basic 3D and 2D shapes with their observable chracteristics – identifies basic 3D-shapes such as cuboid, cylinder, cone and sphere by their names – distinguishes between straight and curved lines – draws/ represents straight lines in various orientations (vertical, horizontal, slant) • estimates and measures length/distances and capacities of containers using uniform non-standard units like a rod/pencil, cup/ spoon/bucket etc. • compares objects as heavier/lighter than using simple balance. • identifies the days of the week and months of the year • sequences the events occurring according to their duration in terms of hours/days; for example, Does a child remain in school for a longer period than at home? • draws inference based on the data collected such as the number of vehicles used in Samir's house is more than that in Angelina's.

• verbalise the unit of repeat in a pattern and make ideas about their extension • extend patterns created by using shapes, thumb print, leaf print and numbers, etc. • collect information from people around, record it and draw some inference from it.	